(क) क्या सरकार का ध्यान 5 जून, 1967 को दैनिक समाचार पत्र "आर्यावर्त" में प्रकाशित हुए बिहार के राजस्व तथा अकाल शासन मंत्री द्वारा दिये गये वक्तव्य के बारे में इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि बिहार में भूख से होने वाली प्रत्येक मृत्यु के लिये केन्द्रीय सरकार उत्तरदायी होगी, क्योंकि केन्द्रीय सरकार न तो अपने वचन के अनुसार अनाज ही देती है और न ही वह राज्य से बाहर किसी अन्य स्थान से अनाज खरीदने की अनुमति देती है; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना-साहिब शिन्दे) : (क) सरकार ने इस सम्बन्ध में प्रेस रिपोर्ट देखी है ।

(ख) केन्द्रीय सरकार बिहार को चावलों का यथा सम्भव अधिक से अधिक आवंटन करती रही है । वहां पर गम्भीर स्थिति और बिहार को कोई चावल आवंटित नहीं किया जा रहा था, इस तथ्य को देखते हुए राज्य सरकार ने यह अनुरोध किया था कि यदि वे किसी राज्य से विशेष कर चावल का फालतू स्टाक पाने में समर्थ हो जाते हैं और सम्बन्धित राज्य सरकार उस स्टाक को बिहार को देना मान लेती है तो केन्द्रीय सरकार ऐसे स्टाक को बिहार में लाने की अनुमति दे दे । बिहार सरकार को सूचित किया गया है कि यदि वह स्टाक उस राज्य द्वारा केन्द्रीय पूल में देने की आश्वासित मात्रा से अधिक है तो बिहार सरकार को ऐसे स्टाक के खरीदने की अनुमति दे दी जाएगी ।

केन्द्रीय सरकार की सहायता से राज्य सरकार ने बिहार में जो विभिन्न सहायता कार्यक्रम शुरू किये हैं उनसे स्थिति नियन्त्रण में है । सरकार को यह आशा है कि न तो बिहार अथवा न ही देश के सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में कहीं भी भुखमरी से कोई मौत होगी । ऐसी मृत्यु की जिम्मेवारी का प्रश्न ही नहीं उठता ।

**Declaration of Famine in certain areas of U.P.**

*1226. **Shri Madhu Limaye:**
**Shri S. M. Banerjee:**
**Dr. Ram Manohar Lohia:**
**Shri George Fernandes:**

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether the U.P. Government have sought the permission of the Central Government to declare famine in certain areas of the State;

(b) if so, the names of these areas with their total area and the population; and

(c) the reaction of the Central Government thereto?

**The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde)**: (a) No Sir

(b) and (c). Do not arise

**Clearance of large ships at Major Ports**

*1228. **Shri Yashpal Singh:**
**Shri S. C. Samanta:**
**Shri D. C. Sharma:**
**Shri S. S. Kothari:**
**Shri S K. Tapuriah:**
**Shri K. P. Singh Deo:**
**Shri P. N. Solanki:**
**Shri Nand Kumar:**

Will the Minister of **Transport and Shipping** be pleased to state·

(a) whether there is considerable delay at major ports of India in receiving and clearing larger ships and